गिरधर मेरे मौसम आया | By Mukesh Bagda

गिरधर मेरे मौसम आया
धरती के श्रृंगार का
डाल डाल पर लग गए झूले
बरसे रंग बहार का
गिरधर मेरे.....

उमड़ उमड़ काली घटा शोर मचाती है
स्वागत में तेरे सांवरा जल बरसाती है
कोयलिया कूकती, मयूरी झूमती
तुम्हारे बिन मुझको मोहन बहारें फीकी लगती हैं
गिरधर मेरे.....

चांदी वर्णी चांदनी अंग जलाती है
झरनो की ये रागिनी दिल तड़पाती है
चली जब पुरवाई तुम्हारी याद आई
दिलो में अंगारे देहके कसम बढ़ती ही जाती है
गिरधर मेरे.....

ग्वाल बाल संग गोपियाँ श्री राधे आई
आज कहो तुम्हे कौन सी कुंजा भरमाई
तुम्हारी राह में मिलन की चाह में
बिछाए पलकें बैठे हैं, तुम्हारी याद सताती है
गिरधर मेरे.....

श्री राधे के संग में झूलो जी मोहन
छेड़ रसीली बांसुरी शीतल हो तन मन
बजी जब बांसुरी खिली मन की काली
मगन नंदू सारी सखियाँ तुम्हे झूला झुलाती हैं
गिरधर मेरे.....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%97%e0%a4%bf%e0%a4%b0%e0%a4%a7%e0%a4%b0-%e0%a4%ae%e0%a5%87%e0%a4%b0%e0%a5%87-%e0%a4%ae%e0%a5%8c%e0%a4%b8%e0%a4%ae-%e0%a4%86%e0%a4%af%e0%a4%be-by-mukesh-bagda/